भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5477

उत्तर देने की तारीख : 25.07.2019

राजस्थान में एमएसएमई इकाइयां

5477. श्री बालक नाथः

क्या सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राजस्थान में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) इकाइयों की संख्या कितनी है और उनका वार्षिक उत्पादन कितना है;

(ख) राज्य से एमएसएमई उत्पादों का कुल कितना निर्यात किया जाता है;

(ग) क्या सरकार एमएसएमई को बढ़ावा देने हेतु उन्हें कोई प्रोत्साहन प्रदान कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री

(श्री नितिन गडकरी)

(क) : वर्ष 2015-16 की अवधि के दौरान सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के 73वें दौर के अनुसार राजस्थान में अनिगमित गैर-कृषि **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की** अनुमानित संख्या 26.87 लाख है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय से प्राप्त सूचना के अनुसार वर्ष 2016-17 के दौरान देश में राजस्थान सहित एमएसएमई क्षेत्र का विनिर्माण सकल मूल्य उत्पादन (जीवीओ) 95,99,574 करोड़ रुपए है।

(ख) : वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएस) से प्राप्त सूचना के अनुसार, वर्ष 2018-19 (अनंतिम) के दौरान राजस्थान से एमएसएमई से संबंधित उत्पादों का कुल निर्यात 4176.11 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा है।

(ग) से (घ) : सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं कार्यान्वित करता है। इन योजनाओं में प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), सूक्ष्म और लघु उद्यम-कलस्टर विकास कार्यक्रम(एमएसई-सीडीपी), पूर्वोत्तर क्षेत्र और सिक्किम में एमएसएमई के लिए संवर्धन योजना, टूल रूम और प्रौद्योगिकी केंद्र, पारंपरिक उद्योगों के पुनरूद्धार के लिए निधि योजना (स्फूर्ति), खरीद और और विपण सहयोग योजना, उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रम(ईएसडीपी), सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के के लिए क्रेडिट गारंटी योजना और क्रेडिट लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी और प्रौद्योगिकी उन्नयन योजना (सीएलसीएस-(सीएलसीएस-टीयूएस) शामिल है।

*****